IMPACT STORIES FORMAT

Story Title	बेरोजगार व् आर्थिक स्थिति से संघर्षरत प्रियंका मीणा की प्रेरणादायक यात्रा
Date	30/09/2024
Prepared by	गायत्री सेवा संस्थान, उदयपुर
Name of partner Organization	गायत्री सेवा संस्थान, उदयपुर
Name of Daksha/Daksh	प्रियंका मीणा
Name of SKB centre	पारेई फला
Cluster	परसाद
Block	सराडा
District	सलुम्बर

BACKGROUND/CONTEXT:

सखियों की बाड़ी केंद्र पारेई फला सराडा ब्लॉक के कलस्टर परसाद में स्थित है। यहाँ की दक्षा प्रियंका मीणा हैं, जिन्होंने कक्षा 12वीं तक पढ़ाई की है। प्रियंका के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी, और उनके पति का निधन जुलाई 2023 में हुआ था। प्रियंका के तीन छोटे बच्चे हैं और उनके पालन-पोषण की जिम्मेदारी अकेले उन्हीं पर है।

सितंबर 2022 में, प्रियंका ने सखियों की बाड़ी केंद्र के बारे में सुना और वहां पढ़ाना शुरू किया। पहले बेरोजगार प्रियंका के लिए यह केंद्र न केवल आजीविका का स्रोत बना, बल्कि आर्थिक रूप से उनके परिवार को भी सहारा दिया।

CHALLENGES FACED:

प्रियंका के जीवन में कई कठिनाइयाँ आईं। पति के निधन के बाद उनके परिवार की स्थिति और गंभीर हो गई। आर्थिक संकट और रोज़गार की कमी के कारण परिवार की जीविका का कोई स्थायी साधन नहीं था। तीन बच्चों के पालनपोषण की जिम्मेदारी पूरी तरह प्रियंका पर - आ गई थी। इसके अलावा, जुलाई 2024 में, उनके घर की छत के पतरे तेज़ हवा के कारण उड़ गए, जिससे उनके रहने की स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो गई।

INTERVENTION/ACTIVITIES:

सखियों की बाड़ी केंद्र से जुड़ने के बाद प्रियंका ने बच्चों को पढ़ाने का काम शुरू किया। उन्होंने टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स) और फ्लैश कार्ड के माध्यम से बच्चों को

शिक्षित करना शुरू किया। बालगीत, कविता, और खेल-खेल में पढ़ाई जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा में रुचि दिलाने का काम किया।

जब उनके घर की मरम्मत की समस्या सामने आई, तो IIFL फाउंडेशन और सखियों की बाड़ी टीम ने उनकी मदद की।इस सहायता से प्रियंका और उनके बच्चों को सुरक्षित छत मिली और उनके जीवन में स्थिरता आई।

OUTCOMES:

प्रियंका का केंद्र अब नियमित रूप से चल रहा है और बच्चों के शिक्षा स्तर में बहुत सुधार हुआ है। सखियों की बाड़ी टीम द्वारा दिए गए समर्थन से प्रियंका का मकान भी ठीक कराया गया, जिससे उन्हें और उनके बच्चों को सुरक्षित रहने का स्थान मिला।

प्रियंका अब खुश हैं और सखियों की बाड़ी केंद्र का सम्मान करती हैं। यह केंद्र उनके जीवन में एक नई रोशनी लेकर आया है और उनके संघर्षों का समाधान भी। प्रियंका इस अवसर के लिए सखियों की बाड़ी टीम की आभारी हैं, जिनकी बदौलत उन्हें न केवल रोजगार मिला, बल्कि समाज में एक सम्मानित स्थान भी प्राप्त हुआ।

GOOD QUALITY IMAGE: - 3-4 IMAGES (Attach below)

Before
After
IIFL फाउंडेशन और सखियों की बाड़ी टीम की मदद से
प्रियंका और उनके बच्चों को सुरक्षित छत मिली